या अपंगता के बावजूद उन्हें जीवन में सफल होने तथा आत्म विश्वास से परिपूर्ण रहने से अधिक से अधिक सहायता कर सके। इन बालकों के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न पाठ्यांतर क्रियाओं को इनकी सुविधाओं की दृष्टि से आयोजित करने के प्रयत्न होने चाहिए जैसे इन्हें अपने जैसे बालकों के साथ खेल कूद - या शारीरिक प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर देना, सृजनात्मक एवं कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए पर्याप्त प्रोत्साहन या अवसर प्रदान करना आदि।

Sem - 3, Sc-301, TOPIC - Educational Programme for Neurological disable children